अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ-आश्रव संवर–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

आश्रव–किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) वैदारिणी क्रिया का क्या अर्थ है?

(ख) अयोग प्रत्याख्यान से जीव क्या प्राप्त करता है?

(ग) ठाणं सूत्र में कायिकी क्रिया आश्रव के कितने व कौन से भेद बताये गये हैं, स्पष्ट करें।

(घ) संशय मिथ्यादर्शन से क्या तात्पर्य है?

(ङ) संसार समापन्नक जीव के प्रकारों का नाम लिखें।

(च) नौ आगम भाव लाभ के प्रकारों को स्पष्ट करें।

(छ) संवृत्त, असंवृत और संवृतासंवृत किसे कहते हैं।

(ज) अप्रशान्त भाव संयोग को स्पष्ट करें।

संवर–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(झ) भाषा समिति व उत्तम सत्य का अन्तर स्पष्ट करें।

(ञ) अपहृत संयम से क्या तात्पर्य है?

(ट) उमास्वाति के अनुसार उत्तम ब्रह्मचर्य के अर्थ को स्पष्ट करें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) **आश्रव–**प्रमाद आश्रव को स्पष्ट करें।

अथवा

क्या तीनों योगों से भिन्न कार्मण योग है और वही पांचवां आश्रव है? इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु का अभिमत बताएं।

(ख) **संवर–**सिद्ध करें कि मोक्ष मार्ग की आराधना में संवर उत्तम गुणरत्न है।

अथवा

क्षयोपशमिक भाव तथा क्षायोपशमिक चारित्र को स्पष्ट करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 24

(क) **आश्रव–**मिथ्यात्व आश्रव तथा योग आश्रव मोहनीय कर्म के उदय से निष्पन्न जीव परिणाम किस प्रकार है?

अथवा

पाप स्थानक और आश्रव किस प्रकार भिन्न हैं?

(ख) **संवर–**परीषह की परिभाषा लिखते हुए अन्तिम बारह परीषहों का वर्णन करें।

अथवा

उदाहरण सहित सिद्ध करें कि संवर भाव जीव है।

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)-30

प्र. 4 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) अकर्मभूमि में कितने क्षेत्र हैं, नाम लिखें।

(ख) प्रत्येक वनस्पति के जीव एक मुहुर्त्त में कितने जन्म-मरण करते हैं?

(ग) अनन्तकायिक जीव किस राशि के अन्तर्गत है?

(घ) नरक के कितने प्रकार हैं, नामोल्लेख करें।

(ङ) तीर्थंकर कौन सी नरक से निकल कर बन सकते हैं?

(च) पांच ज्ञान में भाषक व अभाषक कितने-कितने हैं?

(छ) क्या चारित्र की प्राप्ति तीर्थ स्थापना के बाद होती है?

(ज) दान छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) साधारण वनस्पति के शरीर कितने छोटे होते हैं?

(ख) किस संहनन वाला जीव कौन सी नरक में जाता है?

(ग) श्रुतज्ञान के चौदह प्रकारों का नाम लिखें।

(घ) भवनपति देवों के अवधिज्ञान का क्षेत्र कितना है?

(ङ) एक भव में सम्यक्त्व कितनी बार आ सकती है?

(च) सूक्ष्म सम्पराय और यथाख्यात चारित्र वालों में क्षयोपशम के कितने बोल पाते हैं?

(छ) अशुद्ध दान लेने वाले मुनि क्या दोष के भागीदार होते हैं?

(ज) ब्रह्मचर्य को तप क्यों कहा है?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) चारित्र की स्थिति कितनी है?

(ख) पांचों सम्यक्त्व का स्वरूप क्या है?

(ग) अवधिज्ञान व मनःपर्यव ज्ञान में क्या अन्तर है?

(घ) ब्रह्मचर्य की रक्षा के लिए मुनि को कौन से उपाय सुझाये गये हैं?

श्रावक संवोध-20

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) घर का त्याग करने वाले अनगार धर्म के अधिकारी होते हैं–वह पद्य लिखें।

(ख) पुण्य-पाप प्राणी द्वारा किये गये कर्मों के ही फल हैं–वह पद्य लिखें।

(ग) अहिंसा अणुव्रत के पांच अतिचारों के उल्लेख वाला पद्य लिखें।

(घ) प्रामाणिकता श्रावक जीवन की सुस्थिर सिद्धान्त है–वह पद्य लिखें।

(ङ) संयमी को दान देकर संसार-सागर से तरने की भावना वाला पद्य लिखें।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) भगवती सूत्र में कितने प्रकार की आराधना बताई गई है, नामोल्लेख करें।

(ख) देशावकाशिक व्रत के अतिचारों में 'रूपानुपात' अतिचार से क्या तात्पर्य है?

(ग) आचार्य तुलसी द्वारा निर्धारित चार नए महास्कन्ध कौन से हैं?

(घ) नौ सूत्रों वाली जैन जीवन शैली का निरूपण कब व कहां हुआ?

(ङ) अक्षीणमहानस लब्धि की क्या विशेषता होती है?